दिनांक 2 अप्रैल, 2017 को राँची में हज हाउस एवं रवीन्द्र भवन के शिलान्यास के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

जोहार! नमस्कार!

सर्वप्रथम मैं परम आदरणीय माननीय राष्ट्रपति महोदय का झारखण्ड आगमन हेतु सम्पूर्ण राज्यवासियों की ओर से हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करती हूँ।

माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा आज हमारे राज्य की राजधानी राँची में दो अति महत्वपूर्ण भवनों की नींव अथवा आधारशिला रखी जा रही है। पहला– ''हज हाउस'' और दूसरा ''रवीन्द्र भवन''। हमारे माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर–कमलों द्वारा इन महत्वपूर्ण भवनों का शिलान्यास होना सुखद है। राज्यवासियों के लिए सौभाग्य की बात है।

राष्ट्रपति महोदय, झारखण्ड राज्य प्रगति की ओर अग्रसर है। हाल ही में, राज्य में विश्व पूँजी निवेशक सम्मेलन, "Momentum Jharkhand 2017" का भव्य आयोजन किया गया। राज्य में निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में यह एक प्रयास था। राज्य में रह रहे सभी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों का पूर्ण विकास हो, उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो, इस दिशा में सजगतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज राज्य की राजधानी राँची में ''हज हाउस'' के निर्माण हेतु सार्थक पहल की जा रही है। यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है इस राज्य के बहुत-से लोगों में हज करने के प्रति उत्साह रहता है। इस हज हाउस के निर्माण से राज्य के विभिन्न कोने से जाने वाले आ़जमीन-ए-हज को आवासन आदि अन्य सुविधाओं का बेहतर लाभ प्राप्त होगा। पुण्य की राह में हम सभी उनके साथ हैं। साथ ही इस हज हाउस का उपयोग अल्पसंख्यक योजनाओं के **implementation** हेतु अन्य कार्यों में भी किया जा सकता है। विदित हो कि पूर्व में भी हज हाउस था, लेकिन किन्हीं कारणों से भवन अनुकूल नहीं बन सका। आशा है कि सभी के सहयोग से इस बार अनुकूल व बेहतर भवन का निर्माण होगा, जिसका हजयात्री पूर्ण सदुपयोग कर सकेंगे। हज कमिटी भी इस कार्य में अपना नि:स्वार्थ एवं समर्पित भाव से पूर्ण सहयोग दें।

वहीं गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के नाम पर समर्पित रवीन्द्र भवन के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्राकृतिक दृष्टिकोण से समृद्ध झारखण्ड राज्य की संस्कृति अत्यन्त समृद्ध ळें विभिन्न क्षेत्र में रह रहे जनजाति संस्कृति एवं गायन तथा नृत्य की चर्चा राष्ट्रीय पर होती है, वहीं अन्य समुदायों की संस्कृतियाँ भी कम नहीं है। इस प्रांत में विभिन्न समुदायों के लोग निवास करते हैं। उनकी संस्कृति भी समृद्ध है। ऐसे ही संस्कृति में शुमार है- बांग्ला संस्कृति। यह संस्कृति एवं भाषा कितनी समृद्ध है, यह वर्णन करने का कतई विषय नहीं है।

हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत अक्षुण्ण रहे। इस हेतु हम सभी का परम कर्त्तव्य है। इस क्रम में यहाँ की कला-संस्कृति को encourage करने एवं बढ़ावा देने के नेक मकसद से रवीन्द्र भवन की स्थापना की जा रही है। Auditorium के साथ-साथ अन्य सुविधाओं से युक्त यह भवन State of Art Building के रूप में सार्थक होगा। यह कला-संस्कृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का अहम केन्द्र के रूप में हो, ऐसी हमारी मंशा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर-कमलों से शिलान्यास होने वाले इन दोनों भवनों का शीघ्र एवं बेहतर निर्माण होगा।

एक बार मैं पुनः माननीय राष्ट्रपति महोदय हार्दिक स्वागत करती हूँ तथा राज्य एवं राष्ट्र की निरंतर तीव्र गति से प्रगति की कामना करती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!